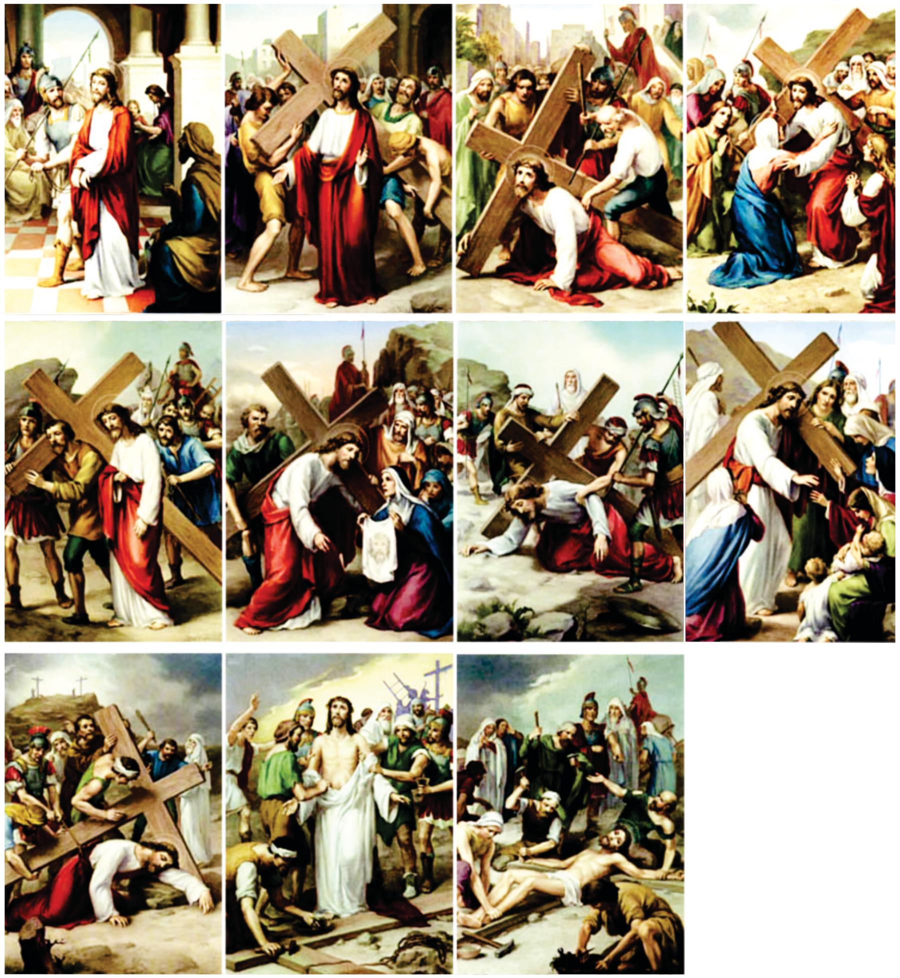

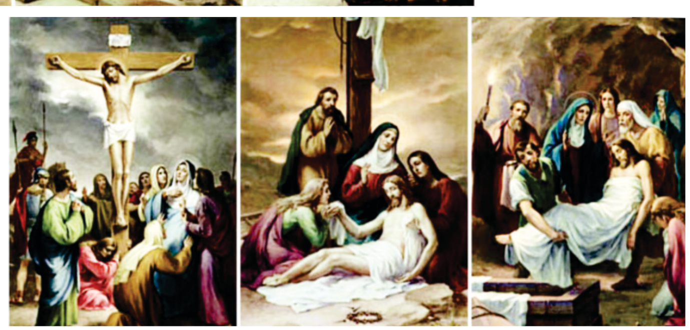

Way of the Cross

क्रूस रास्ता

फा. फ्रांसिस स्करिया
(भोपाल महाधर्मप्रान्त)

(निजी उपयोग के लिए)

क्रूस-रास्ता

फा. फ्रांसिस स्करिया
(भोपाल महाधर्मप्रान्त)

(निजी उपयोग के लिए)

ACKNOWLEDGEMENTS

I express my sincere gratitude to Rev. Fr. Ronald Vaughan for linguistic corrections of the text, Rev. Fr. Shellmon Antony for the music, FCC Sisters of Rani Nilay and the Parishioners of Rosary Church, Awalikheda for their support.

-Fr. Francis Scaria

प्रारंभिक प्रार्थना

अगुआ :— पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर।

सब :— आमेन।

अगुआ :— हे प्रभु येसु, (सब मिल कर) आपने कहा था, "जो मेरा अनुसरण करना चाहता है, वह आत्मत्याग करे और अपना क्रूस उठा कर मेरे पीछे हो ले"। पिलातुस के भवन से कलवारी पहाड़ी तक की आपकी मुक्तिदायक यात्रा में हम भी शामिल होना चाहते हैं ताकि हम क्रूस के पुण्य फलों से वंचित न रहें। हमारी जीवन—यात्रा में हम भी आपके समान परम पिता ईश्वर की योजना को स्वीकार कर सकें और उसी के अनुसार अपने जीवन को चला सकें। आमेन।

गीत :– अब्बा की इच्छा स्वीकार कर कुर्बानी क्रूस की।
जनता की राय मान कर दण्ड सुना दिया।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

पहला विश्राम

येसु को प्राणदण्ड़ की आज्ञा दी जाती है।

अगुआ :— हे खीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :— क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :– महायाजक और जनता के नेता येसु को मरवा डालने के लिए परामर्श करते हैं। वे येसु को बाँधते हैं और उन्हें ले जाकर राज्यपाल पिलातुस के हवाले कर देते हैं। पिलातुस येसु में कोई दोष नहीं पाता है। फिर भी लोगों के दबाव में आकर वह येसु को प्राण—दण्ड की आज्ञा सुनाता है। वह पानी मंगाकर लोगों के सामने हाथ धोते हुए कहता है, "मैं इस धर्मात्मा के रक्त का दोषी नहीं हूँ"। पास्का पर्व के अवसर पर लोगों की इच्छा के अनुसार राज्यपाल एक कैदी को रिहा करता था। लोग बराब्बस नामक डाकू को रिहा करने की मांग करते हैं और पिलातुस उसे रिहा कर देता है। वह येसु को कोडे लगवा कर क्रूस पर चढ़ाने के लिए सैनिकों के हवाले कर देता है।

सब :— हे प्रभु येसु, पिलातुस के सामने मौन साधना आपके लिए संभव था क्योंकि आपका यह अटल विश्वास था कि पिता ईश्वर हर हालत में आप के साथ हैं और उनकी रहस्यमय प्रज्ञा के सामने कौन बोल सकता है? आपने कहा था, "मुझे एक बपतिस्मा लेना है और जब तक वह नहीं हो जाता, मैं कितना व्याकुल हूँ" (लूकस 12:50)। हमारी मुक्ति का साधन – क्रूस, हमेशा आपके सामने था। निर्दोष होकर भी हम पापियों को बचाने हेतु, आपने प्राण–दण्ड की आज्ञा ग्रहण की और क्रूसमरण स्वीकार किया। हमारे अपराध क्षमा कीजिए तथा हमें पवित्र जीवन बिताने में मदद कीजिए। आमेन।

अगुआ :— मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :— आमेन।

गीत :– येसु के प्राण दण्ड से हम सब को मुक्ति मिली
राजाधिराज ईश ने क्रूस स्वीकार किया।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

दूसरा विश्राम

येसु के कंधे पर क्रूस लादा जाता है।

अगुआ :— हे खीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :– क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :— सैनिक येसु को भवन के अन्दर ले जा कर उनके पास सारी पलटन एकत्र करते हैं। वे उनके कपड़े उतार कर उन्हें लाल चोंगा पहनाते हैं, काँटों का एक मुकुट गूंथ कर उनके सिर पर रखते हैं और उनके दाहिने हाथ में सरकण्डा थमा देते हैं। तब उनके सामने घुटने टेक कर वे यह कहते हुए उनका उपहास करते हैं, "यहूदियों के राजा, प्रणाम"। वे उन पर थूकते और सरकण्ड़ा छीन कर उनके सिर पर मारते हैं। इस प्रकार उनका उपहास करने के बाद, वे येसु के कंधे पर क्रूस लाद देते हैं और उन्हें क्रूस पर चढ़ाने ले चलते हैं। येसु मानव जाति की मुक्ति के लिए क्रूस–रास्ता शुरू करते हैं।

सब :— हे प्रभु, आप को इसी का इंतजार था। आप की दृष्टि क्रूस पर ही टिकी हुई थी। वही मानव–मुक्ति का साधन था। शैतान जितना आप

को क्रूस से हटाने का तंत्र रचता था, उस से भी अधिक तीव्र आप की इच्छा थी कि मानव–मुक्ति के वृक्ष को अपने कंधे पर रख कर उसके मुक्ति के फल मानव–संतानों को खिलायें। आपके अपार प्रेम के लिए धन्यवाद देकर हम आज दृढ़प्रतिज्ञा करते हैं कि शैतान के विरुद्ध हमारी लडाई में आपकी शक्ति पर निर्भर रह कर हम आगे बढ़ते रहेंगे। मुझे आपकी कृपा प्रचुर मात्रा में प्रदान कीजिए कि मैं सत्य के मार्ग से कभी विचलित न होऊँ बल्कि निडर होकर उस पर ईमानदारी से चल सकूँ। आमेन।

अगुआ :— मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :— आमेन।

गीत :— निर्बल को सहारा देकर क्या अपराध किया
सबों का बोझ लादकर गिरने दिया उन्हें।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

तीसरा विश्राम

येसु पहली बार क्रूस के नीचे गिरते हैं।

अगुआ :— हे खीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :— क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :— कलवारी पहाड़ी की ओर येसु की क्रूस–यात्रा आगे बढ़ती है। यूदस ने उन्हें पकड़वाया, पेत्रुस ने उन्हें अस्वीकार किया। अन्य शिष्य भी उन्हें छोड़ कर भाग गये थे। कोड़ों की मार से उन्हें असह्य दुख झेलना पड़ा था। क्रूस बहुत ही भारी था। वे फिसल कर ज़मीन पर गिर जाते हैं।

सब :— हे प्रभु, नबी इसायाह ने आप ही के विषय में कहा था, "मैं वध के लिए ले जाये जाने वाले मेमने के सदृश भोला–भाला था। मैं नहीं जानता था कि वे यह कहते हुए मेरे विरुद्ध षड्यन्त्र रच रहे थे, ''हम वह हरा–भरा वृक्ष काट गिरायें। हम उसे जीवितों की दुनिया से उठा दें, जिससे उसका नाम लेने वाला कोई न रहे।'' हे प्रभु, आप हमारे पापों के बोझ के कारण ही धरती पर गिर पड़े, लेकिन हम पापियों के प्रति प्यार के खातिर आप पुनः उठ कर क्रूस ढ़ोते हुए आगे बढ़ते हैं। आपके असीम

प्यार के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं और दृढ़संकल्प करते हैं कि हम पुनः पाप नहीं करेंगे।

अगुआ :— मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :— आमेन।

गीत :— येसु के दुखों में शामिल माता ने आँसु बहाया
शोकित दिल के दर्द से पुत्र को ढ़ारस दिया।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

चौथा विश्राम

येसु अपनी शोकाकुल माता से मिलते हैं।

अगुआ :— हे खीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :— क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :— जब मूसा की संहिता के अनुसार शुद्धीकरण के दिन माता मरियम और संत यूसुफ बालक येसु को मंदिर में अर्पित कर रहे थे, तब सिमेयोन नामक धर्मी ने बालक येसु को गोद में लेकर ईश्वर की स्तुति करने के बाद माता मरियम से कहा था कि एक तलवार आपके हृदय को आर–पार भेदेगी। अब वह कथन पूरा होता है जब शोकाकुल माता मरियम की मुलाकात क्रूस लेकर आगे चलने वाले अपने प्यारे पुत्र से होती है। दोनों को अपार वेदना महसूस होती है। फिर भी वे अपने दुखों को भूल कर एक दूसरे के लिए आत्मीयता प्रकट करते हैं।

सब :— हे प्यारे प्रभु, आपकी माता अंतिम क्षण तक आपके साथ रही। उन्होंने आपके मुक्ति–कार्य में अपना अमूल्य योगदान दिया। हमारे जीवन में दुख–तकलीफ एवं कठिनाईयों के समय उन्हीं की स्नेहभरी मध्यस्थता से हम भी मुक्ति का अनुभव कर सकें और एक दिन स्वर्ग पहुँच सकें। आमेन।

अगुआ :— मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :— आमेन।

गीत :— दर्द से पीड़ित येसु को सिमोन ने दिया सहारा
येसु के क्षीणित तन मन को पल भर आराम मिला।

पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

पाँचवाँ विश्राम

कुरेन निवासी सिमोन क्रूस ले चलने में येसु की मदद करते हैं।

अगुआ :— हे खीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :— क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :— वे येसु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए शहर के बाहर ले चलते हैं। यह सोचकर कि कमजोरी तथा थकावट के कारण येसु यह यात्रा पूरी नहीं कर पायेंगे, सैनिक कुरेन निवासी सिमोन, सिकन्दर और रूफुस के पिता, को जो खेत से लौट रहा था, पकड़ लेते हैं और उसे येसु का क्रूस उठा कर ले चलने के लिए बाध्य करते हैं।

सब :— हे प्रभु येसु, यह सिमोन का सौभाग्य था कि वे क्रूस–यात्रा में आपकी सहायता कर सके। हमें भी आपके मुक्ति–कार्य में सहयोग देने के असंख्य अवसर मिलते हैं। हमें अपनी कृपा प्रदान कीजिए कि हम ऐसे अवसरों को पहचान सकें और आपकी मदद करने में तत्पर बने रहें। आमेन।

अगुआ :— मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :— आमेन।

गीत :— वेरोनिका ने भक्ति से येसु का चेहरा पोछा
चेहरे की छाप रूमाल पर बन गया तोहफ़ा।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

छठवाँ विश्राम

वेरोनिका येसु का चेहरा पोछती है।

अगुआ :— हे खीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :— क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :— येसु की दुखभरी यात्रा आगे बढ़ती है। उन्हें सिपाही मारते जाते और उनका उपहास करते रहते हैं। इन सब विरोधियों के बीच

वेरोनिका नामक एक स्त्री येसु के प्रति सहानुभूति व्यक्त करना तथा सांत्वना देना चाहती है। वह सैनिकों के बीच में से येसु के पास आती है तथा अपना तौलिया निकाल कर येसु का रक्त–रंजित चेहरा पोछती है। उस समय, येसु के पवित्र मुख का रूप उस तौलिये पर चमत्कारिक रूप से छप जाता है।

सब :– हे प्रभु येसु, हमारे तथा सारी मानवजाति के पापों के खातिर आपको असह्य दुख सहना पड़ा। हम जानते हैं कि हिंसा के कारण पीड़ित लोगों में आपकी प्राण पीड़ा आज भी एक हकीकत है। हमें यह शक्ति दीजिए कि हम इस दुनिया में हिंसा को रोकने की चेष्टा कर सकें तथा अत्याचार से पीड़ित लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त कर सकें। आमेन।

अगुआ :– मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :– आमेन।

गीत :– दुश्मनों की कठोर क्रीड़ा असह्य बनती गयी
दुर्बल होकर प्रभु येसु धरती पर गिर गये।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

सातवाँ विश्राम

येसु दूसरी बार गिरते हैं।

अगुआ :– हे ख्रीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :– क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :– कलवारी पहाड़ी की ओर अपनी यात्रा के बीच येसु अपने को परित्यक्त महसूस करते हैं। "उनकी आकृति इतनी विरूपित की गयी थी कि वह मनुष्य नहीं जान पड़ता था; लोग देख कर दंग रह गये थे।" (इसायाह 52:14) सैनिक उनकी हँसी उड़ाते हैं और उन्हें घसीटते– खींचते हैं। क्रूस के बोझ के नीचे वे दूसरी बार गिर जाते हैं।

सब :– हे प्रभु, हम जानते हैं कि हमारे असंख्य पापों ने ही आपको बार–बार गिराया है। पाप के कारण गिरे हम पापियों को आपकी शक्ति पर आश्रय रख कर पुनः उठने तथा पश्चात्ताप कर आपके पवित्र मार्ग पर वापस आने की कृपा दीजिए। आमेन।

अगुआ :– मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :– आमेन।

गीत :– नारियों का रूदन–विलाप पालनहार के खातिर।
सांत्वन–वचन सुनाकर वे क्रूस लिये चले।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

आठवाँ विश्राम

येरूसालेम की स्त्रियाँ येसु के लिए विलाप करती हैं।

अगुआ :– हे ख्रीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :– क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :– लोगों की भारी भीड़ उनके पीछे–पीछे चल रही है। उनमें नारियाँ भी हैं, जो अपनी छाती पीटते हुए उनके लिए विलाप कर रही हैं। येसु उनकी ओर मुड़ कर कहते हैं, "येरूसालेम की बेटियों, मेरे लिए मत रोओ। अपने लिए और अपने बच्चों के लिए रोओ, क्योंकि वे दिन आ रहे हैं, जब लोग कहेंगे– धन्य हैं वे स्त्रियाँ, जो बाँझ हैं; धन्य हैं वे गर्भ, जिन्होंने प्रसव नहीं किया और धन्य हैं वे स्तन, जिन्होंने दूध नहीं पिलाया।... यदि हरी लकड़ी का हाल यह है, तो सूखी लकड़ी का क्या होगा?"

सब :– हे प्रभु येसु, आपने अपने दुखों को भी भूल कर येरूसालेम की स्त्रियों को सांत्वना दी। आपने कहा था, "थके–माँदे और बोझ से दबे हुए लोगों, तुम सभी मेरे पास आओ। मैं तुम्हें विश्राम दूँगा। मेरा जुआ अपने ऊपर ले लो और मुझ से सीखो।" (मत्ती 11:28–29) हमें अपनी कृपा प्रदान कीजिए कि जिन्दगी की राह में आगे बढ़ते समय हम अपने भाई–बहनों का ख्याल करें और कष्ट और दुख झेलते समय भी उनकी मदद कर सकें। आमेन।

अगुआ :– मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :– आमेन।

गीत :– धरती पर गिरके उठते हैं धरती के सृजनहार।
मानव पाप असंख्य से गिर गये पालनहार।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

नौवाँ विश्राम

येसु तीसरी बार क्रूस के नीचे गिरते हैं।

अगुआ :— हे ख्रीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :— क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :— अब येसु को आगे चलना असंभव—सा लग रहा है। वे "अपने पर किया हुआ अत्याचार धैर्य से सहते गये और चुप रहे। वध के लिए ले जाये जाने वाले मेमने की तरह और ऊन कतरने वाले के सामने चुप रहने वाली भेड़ की तरह उन्होंने अपना मुँह नहीं खोला" (इसायाह 53:7)। उन्हें असह्य शारीरिक और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनके खून की बूँदें ज़मीन पर टपकती रहती हैं। उन्हें इतनी थकान महसूस होती है कि वे आगे चल नहीं पाते और पुनः धरती पर गिर जाते हैं।

सब :— हे प्रभु येसु, आपने हमारे पापों का बोझ अपने ऊपर उठा लिया। हमारे असंख्य पापों और अनेक गुनाहों ने आपको बार—बार धरती पर गिराया। हम अपने पापों पर पश्चात्ताप करते हुए आपसे विनती करते हैं — हम पापियों पर दया कीजिए और हमारे गुनाह माफ कर दीजिए। जब हमारे जीवन का बोझ असह्य बन जाता है, तब हम निराश न हो, बल्कि आपकी कृपा से उसे हमारी और सारी मानव जाति की मुक्ति के लिए अर्पित कर सकें। आमेन।

अगुआ :— मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :— आमेन।

गीत :— फूलों को सजानेवाले को वस्त्रों से वंचित किया
तारणहार प्रभुजी ने मौन धारण किया।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

दसवाँ विश्राम

सैनिक येसु के कपड़ों को उतारते हैं।

अगुआ :— हे ख्रीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :— क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :— कलवारी पहुँचने पर सैनिक येसु को क्रूस पर चढ़ाने की तैयारी करते हैं। उनके घावों से निकले रक्त के कारण शरीर से चिपके हुए कपड़ों को वे निर्दयतापूर्वक खींच कर उतारते हैं। सैनिक उनके कपड़े ले लेते हैं और कुरते के सिवा उन कपड़ों के चार भाग कर देते हैं— हर सैनिक के लिए एक भाग। उस कुरते में सीवन नहीं था, वह ऊपर से नीचे तक पूरा—का—पूरा बुना हुआ था। वे आपस में कहते हैं, "हम इसे नहीं फाड़ें। चिट्ठी ड़ाल कर देख लें कि यह किसे मिलता है"। इस प्रकार धर्मग्रन्थ का यह कथन पूरा हो जाता है — उन्होंने मेरे कपड़े आपस में बाँट लिये और मेरे वस्त्र पर चिट्ठी ड़ाली।

सब :— हे प्रभु येसु, जब क्रूर सैनिकों ने आपका कपड़ा उतारा था और आपका अपमान किया गया, तब आपने चुपचाप सब कुछ सह लिया। आपने अपने जीवन की कुर्बानी दे कर मनुष्य को ईश्वरीय गरिमा का वस्त्र पहनाया। हमारी मदद कीजिए कि हम अपने मरणशील शरीर में पाप का राज्य स्वीकार न करें और उसकी वासनाओं के अधीन न रहें (रोमियों 6:12)। आपकी कृपा से हम शरीर की वासनाएँ तृप्त करने का विचार छोड़ दें और आपको धारण करें। आमेन।

अगुआ :— मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :— आमेन।

गीत :— अमर बनाने सभी को येसु ने कुर्बानी दी
कलवारी के शिखर चढ़ कर शैतान को कुचल दिया।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

ग्यारहवाँ विश्राम

येसु क्रूस पर ठोके जाते हैं।

अगुआ :— हे ख्रीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :— क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है

अगुआ :— वे उस जगह पहुँचते हैं, जो गोलगोथा अर्थात खोपड़ी की जगह कहलाती है। वहाँ पर सैनिक येसु के हाथ—पैरों पर कीले लगा कर उन्हें क्रूस पर ठोक देते हैं। पिलातुस इब्रानी, लातीनी और यूनानी भाषा में एक दोषपत्र लिखवा कर क्रूस पर लगवा देता है — "येसु

नाजरी, यहूदियों का राजा"। जनता खड़ी हो कर यह सब देख रही है। नेता यह कहते हुए उनका उपहास करते हैं, "इसने दूसरों को बचाया। यदि यह ईश्वर का मसीह और परमप्रिय है, तो अपने को बचाये"।

सब :– हे प्रभु, हम जानते हैं कि जब यह तम्बू, पृथ्वी पर हमारा यह घर, गिरा दिया जायेगा, तो हमें ईश्वर द्वारा निर्मित एक निवास मिलेगा जो हाथ का बना हुआ नहीं है और अनन्त काल तक स्वर्ग में बना रहेगा। इसलिए हम इस शरीर में कराहते रहते और उसके ऊपर अपना स्वर्गीक निवास धारण करने की तीव्र अभिलाषा करते हैं (2 कुरिन्थियों 5:1–2)। हमारे समाज में दूसरों के कल्याण के लिए चलने वाले कितने पैरों को बुराई की ताकतें आलोचना की कील लगा कर रोकती हैं! सत्य और न्याय की सेवा में उठने वाले कितने हाथों को अंधकार की शक्तियाँ रोकने की कोशिश करती हैं! हे प्रभु, मुझे शक्ति दीजिए कि मैं अपने हाथ–पैरों को तेरे राज्य की स्थापना के लिए समर्पित कर सकूँ। आमेन।

अगुआ :– मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :– आमेन।

गीत :– भेड़ों के प्यार के खातिर अपने प्राण दे दिये
पिता के हाथों में अपनी आत्मा भी सौंप दी।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

बारहवाँ विश्राम

येसु क्रूस पर मर जाते हैं।

अगुआ :– हे खीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :– क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :– वे कलवारी पहाड़ी पर येसु को क्रूस पर चढ़ाते हैं। वे उनके साथ दो कुकर्मियों को भी क्रूस पर चढ़ाते हैं– एक को उनके दायें और एक को उनके बायें। कठोर दर्द महसूस करने के बीच येसु कहते हैं, "पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं"। सूर्य

के छिप जाने से तीसरे पहर तक सारे प्रदेश में अँधेरा छाया रहा। मन्दिर का परदा बीच से फट कर दो टुकड़े हो गया। येसु ऊँचे स्वर से पुकार कर कहते हैं, "पिता, मैं अपनी आत्मा को तेरे हाथों सौंपता हूँ" और यह कह कर वे अपने प्राण त्याग देते हैं। इस प्रकार नबी इसायाह का कथन पूरा हुआ – "वे उन्हें बन्दीगृह और अदालत ले गये; कोई उनकी परवाह नहीं करता था। वह जीवितों के बीच में से उठा लिया गया है और वह अपने लोगों के पापों के कारण मारा गया है।" (इसायाह 53:8)

सब :– हे प्रभु येसु, आपने हमारे खातिर, हमारे पापों का हिसाब चुकाने के लिए, (रोमियों 6:12) अपने जीवन की कुर्बानी दी है। ऐसा वर दीजिए कि हम यह कभी न भूलें कि हमारा पुराना स्वभाव आपके साथ क्रूस पर चढ़ाया जा चुका है, जिससे पाप का शरीर मर जाये और हम फिर पाप के दास न बनें (रोमियों 6:6)। हमारी सहायता कीजिए कि हम बुराई से हार न मानें, बल्कि भलाई द्वारा बुराई पर विजय प्राप्त करें (रोमियों 12:21)। आमेन।

अगुआ :– मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :– आमेन।

गीत :– माँ की ममता ने प्यार से जिस सुत को संवारा था
उसी की लाश गोद में तलवार दिल को भेदा।
पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी
करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

तेरहवाँ विश्राम

येसु की लाश क्रूस पर से उतारी जाती है।

अगुआ :– हे खीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :– क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :– अरिमथिया के यूसुफ, जो यहूदियों के भय के कारण येसु का गुप्त शिष्य था, पिलातुस से येसु का शव ले जाने की अनुमति माँगता है। अनुमति पाकर यूसुफ येसु का शव ले जाता है और उसे माता मरियम की गोद में रख देता है।

सब :– हे माता मरियम, प्रभु येसु को अपने गर्भ में धारण करने के समय से लेकर क्रूस के बलिदान तक आप ने हमारे मुक्ति–कार्य में सहभागिनी के रूप में अपनी भूमिका निभायी। अपने पुत्र की लाश को अपनी गोद में रखते समय आपने असह्य दुख का अनुभव किया। हमें अपनी सन्तान के रूप में स्वीकार कर आप हमें आशा और आनन्द प्रदान करती हैं। हमारी मदद कीजिए कि हम खीस्तीय होने के हमारे गौरव के अनुसार अपना जीवन बिता सकें। आमेन।

अगुआ :– मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :– आमेन।

गीत :– कंधों पर क्रूस ले लेकर तुम मेरे पीछे आओ

मुक्ति पाने की राह पर पीछे तुम मुड़ना नहीं।

पापी हैं हम सभी प्रभु, पापी हैं हम सभी

करुणामय येसु हम पर तू, बरसा दया तेरी।

चौदहवाँ विश्राम

येसु की लाश कब्र में रखी जाती है।

अगुआ :– हे खीस्त, हम आपकी आराधना करते और आपको धन्य मानते हैं।

सब :– क्योंकि आपने अपने पवित्र दुखभोग, मरण एवं पुनरुत्थान द्वारा दुनिया को बचाया है।

अगुआ :– अरिमथिया के यूसुफ और निकोदेमुस मिलकर येसु की लाश को दफन के लिए तैयार करते हैं। यहूदियों की दफन की प्रथा के अनुसार, वे उसे सुगन्धित द्रव्यों के साथ छालटी की पट्टियों में लपेटते हैं और पास वाली बारी में पत्थर में खुदी हुई नई कब्र में रख देते हैं। कब्र के मुँह पर एक बड़ा सा पत्थर रख कर वे शोकाकुल हो चले जाते हैं। इस प्रकार नबी इसायाह का यह कथन पूरा हो गया। "यद्यपि उन्होंने कोई अन्याय नहीं किया था और उनके मुँह से छ्ल–कपट की बात नहीं निकली थी, फिर भी उनकी कब्र विधर्मियों के बीच बनायी गयी और वह धनियों के साथ दफनाया गया है।" (इसायाह 53:9)

सब :– हे प्रभु, जीवित रहते समय आप को अपना सिर रखने के लिए भी जगह नहीं मिली। मरने पर आपके शरीर को दूसरों की कब्र में रखा गया। सब कुछ के मालिक होने पर भी सब कुछ खोने वाली आपकी

विनम्रता में मुझे भी सहभागिता प्रदान कीजिए। स्वर्ग की ओर हमारी इस तीर्थयात्रा में हमें अपनी कृपा प्रदान कीजिए ताकि हम विनम्रता तथा सहनशीलता के साथ खीस्तीय जीवन बिता सकें। आमेन।

अगुआ :– मृत विश्वासी परमेश्वर की दया से स्वर्ग का अनन्त सुख प्राप्त करें।

सब :– आमेन।

समापन प्रार्थना

अगुआ :– हे स्नेहमय पिता ईश्वर, आपने अपने निजी पुत्र को भी नहीं बचाया, बल्कि हम सबों के लिए उन्हें अर्पित किया (रोमियों 8:32)। प्रभु येसु ने मनुष्य का रूप धारण करने के बाद मरण तक, हाँ क्रूस पर मरण तक, आज्ञाकारी बन कर अपने को और भी दीन–हीन बना लिया (फिलिप्पियों 2:8)। उन्होंने कोई पाप नहीं किया था और उनके मुख से कभी छ्ल कपट की बात नहीं निकली। वे अपने शरीर में हमारे पापों को क्रूस के काठ पर ले गये, जिससे हम पाप के लिए मृत हो कर धार्मिकता के लिए जीने लगें (1 पेत्रुस 2:22–24)। उन्होंने भविष्य में प्राप्त होने वाले आनन्द के लिए क्रूस का कष्ट स्वीकार किया और उसके कलंक की कोई परवाह नहीं की (इब्रानियों 12:2)। आपने मसीह में अपना सामर्थ्य प्रदर्शित कर उन्हें मृतकों में से पुनर्जीवित किया और स्वर्ग में अपने दाहिने बैठाया।

सब :– हम आप से सविनय विनती करते हैं कि हमारे जीवन की कठिनाइयों के बीच में भी आप पर हमारा भरोसा दृढ़ बना रहे। हमारा दृढ़विश्वास है कि जब मृत्यु द्वारा यहाँ का हमारा निवास समाप्त हो जायेगा तो हमें स्वर्ग का नित्य निवास प्राप्त होगा। हमें ऐसा वर दीजिए कि कोई भी विपत्ति, संकट, अत्याचार, भूख, नग्नता, जोखिम या तलवार हमें आपके प्यार से कभी वंचित न करें। यह प्रार्थना हम करते हैं, हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा। आमेन।

अगुआ :– संत पिता के मनोरथ के लिए और पापियों के मनफिराव के लिए हम प्रार्थना करें।

हे पिता हमारे... (सब मिलकर)

प्रणाम मरिया ....

पिता और पुत्र और पवित्रात्मा की महिमा होवें ....

क्रूस चिन्हांकन प्रार्थना

हे प्रभु परमेश्वर, आपने चाहा कि मानव जाति आपके पुत्र, येसु खीस्त के क्रूस के द्वारा मुक्ति पा सकें। मैं केवल प्रभु येसु खीस्त के क्रूस पर गर्व करता हूँ (गलातियों 6:14)। मेरा अटल विश्वास है कि क्रूस में ही सच्ची सफलता तथा विजय हैं।

मैं अपने होंठों को क्रूस के मुक्तिदायक चिह्न से अंकित करता हूँ कि उनसे सदा प्रेरणादायक शब्द निकलें। मैं अपने कानों को क्रूस के मुक्तिदायक चिह्न से अंकित करता हूँ कि वे हमेशा अच्छी बातें सुनें। मैं अपनी आँखों को क्रूस के मुक्तिदायक चिह्न से अंकित करता हूँ कि वे आपका दर्शन कर सकें। मैं अपने नथनों को क्रूस के मुक्तिदायक चिह्न से अंकित करता हूँ कि वे हर श्वास में आप को पायें। मैं अपनी छाती को क्रूस के मुक्तिदायक चिह्न से अंकित करता हूँ कि मेरे हृदय–मन्दिर में आप विराजमान हों। मैं अपने माथे को क्रूस के मुक्तिदायक चिह्न से अंकित करता हूँ कि मेरा मन–मस्तिष्क आपकी योजना को परख सकें और मैं आपकी पावन इच्छा के अनुसार अपने जीवन को चला सकूँ।

हे प्रभु, आपने क्रूस के काठ द्वारा मानव जाति का कलंक दूर किया। मुझे कृपा दीजिए कि मैं पापों से दूर रहूँ तथा क्रूसित प्रभु पर विश्वास रख कर अपना दैनिक क्रूस ले कर उनके पीछे चल सकूँ। हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा। आमेन।

NOTE